अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 बच्चे को थप्पड़, शिक्षण संस्थानों में अभी दूर है...
6 नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास ....
7 राखी पर्व पर बहनों को मिला 250 रुपये का विशेष उपहार...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-32 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 29 अगस्त से 04 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

'शरद पवार ने ही अजित पवार,प्रफुल्ल पटेल को BJP से बात करने के लिए दिल्ली जाने को कहा था', NCP नेता छगन भुजबल का खुलासा- मंत्री पद की भी थी मांग

हष्टक्कके वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि जो लोग पवार के मंच से भाषण दे रहे हैं, वे सभी भाजपा से हाथ मिलाने वाले पत्र पर हस्ताक्षरकर्ता हैं।

अतीत में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक छगन भुजबल, जो अब मंत्री हैं, बीड रैली में शरद पवार पर हमला करने में सबसे मुखर थे। उन्होंने उन पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का उपयोग करके भाजपा के साथ बातचीत करने और बाद में पीछे हटने का आरोप लगाया था।

भुजबल ने पूछा, मैं आपसे 2014 से आज तक की घटनाओं के बारे में पूछना चाहता हूं। आपने अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, जयंत पाटिल को दिल्ली जाने, चर्चा करने और मंत्री पद के साथ-साथ विधायक और सांसद की सीटें भी मांगने को कहा। यहां तक कि जयंत पाटिल भी उस सूची में थे, अब क्या हुआ?

शरद पवार ने अजित पवार के ही विधानसभा क्षेत्र में की थी सार्वजनिक रैली

उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग पवार के मंच से भाषण दे रहे हैं, वे सभी भाजपा से हाथ मिलाने वाले पत्र पर हस्ताक्षरकर्ता हैं। यह भुजबल का विधानसभा क्षेत्र येओला था, जहां अजित पवार और उनके समर्थक नेताओं के विद्रोह के बाद पार्टी का पुनर्निर्माण करने की घोषणा के बाद पवार ने पहली सार्वजनिक रैली की थी।

भुजबल ने आरोप लगाया, येओला में, आपने मुझे टिकट देने के लिए लोगों से माफ़ी मांगी। लेकिन उस स्थिति में आप कितनी बार माफ़ी मांगेंगे? भंडारा से कोल्हापुर तक? क्योंकि सभी 54 तैयार थे, यह आप ही थे जिन्होंने हमें यह रास्ता दिखाया।

भुजबल ने कहा, यहां एकत्र हुए लोग अपने आप में इस बात का सबूत हैं कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित दादा के साथ है और राकांपा अध्यक्ष अजित दादा हैं। उन्होंने दोहराया कि सभी राकांपा विधायकों ने भाजपा को समर्थन देने वाले एक पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, उन्होंने दावा किया कि यह शरद पवार ही हैं जो 2014 से हमें भाजपा की

ओर धकेलने का यह तरीका दिखा रहे हैं।

के आलोक कुमार और साधु-संतों को जलाभिषेक की इजाजत

पुलिस सुरक्षा में ले जाया गया नल्हड़ मंदिर

हरियाणा के नूंह में एक बार फिर जमीन पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। वीएचपी ने ऐलान किया था कि वो सुबह 11 बजे ब्रजमंडल यात्रा निकालेंगे लेकिन 12 बजे तक भी यात्रा का आगाज नहीं हो पाया। अब कई मीडिया वेबसाइट्स ये दावा कर रही हैं कि हिंदू संगठनों के सिर्फ 50 बाहरी नल्हड़ मंदिर में जलाभिषेक की अनुमति दी गई है। वीएचपी के ऐलान के बाद से ही हरियाणा पुलिस ने नूंह की सीमाओं पर और जिले के भीतर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हुए हैं। नहूं के अलावा हमारी नजर पहाड़ी राज्यों की स्थिति पर भी रहेंगी। वहां अभी भी बारिश और लैंडस्लाइड से स्थिति विस्फोटक बनी हुई है। खेल जगत में नीरज चोपड़ा के एक और कीर्तिमान ने देश को नई उमंग से भर दिया है। देश और दुनिया की तमाम बड़ी खबरों को जानने के लिए बने रहें जनसत्ता के साथ।

हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र में राज्य के गृह मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पार्टी को नूंह हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, **मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि अब तक की जांच और 500 लोगों की गिरफ्तारी यह संकेत दे रही है कि यह सब कांग्रेस पार्टी द्वारा करवाया गया था।**

यूपी पहले विकास में पीछे, अपराध में आगे था', पीएम मोदी बोले- अब छू रहा तरक्की की नई ऊंचाइयां

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले के तहत सरकारी विभाग और संगठनों में 51,000 से अधिक नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश कभी विकास के मामले में बहुत पीछे था और अपराध के मामले में बहुत आगे था, लेकिन अब कानून का राज स्थापित होने से उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाई छू रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले के तहत सरकारी विभाग और संगठनों में 51,000 से अधिक नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए नए रास्ते खोलने के लिए हमने बीते कुछ वर्षों में अर्धसैनिक बलों की भर्ती प्रक्रिया में कई बदलाव किए हैं।

आसमान में उड़ रहा था प्लेन और बच्ची की सांसें थमने लगीं, शुक्र है एम्स के 5 डॉक्टर बैठे थे

नई दिल्ली- विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या यूके-814 कल यानी 27 अगस्त को शाम बेंगलुरु से दिल्ली के रास्ते में थी। यात्री बेफिक्र होकर आराम करने लगे थे। तभी एक कॉल ने सबको बेचैन कर दिया। घोषणा हुई कि प्लेन में दो साल की बच्ची बेहोश हो गई है। वह ठीक से सांस नहीं ले पा रही थी। कुछ समय पहले ही उसके हार्ट का ऑपरेशन हुआ था। वह जन्मजात हृदय रोग (सायनोटिक) से पीड़ित थी। ईश्वर का लाख-लाख शुक्र है कि उस प्लेन में पांच %देवदूत% सफर कर रहे थे। जी हां, एम्स नई दिल्ली के पांच डॉक्टर विस्तारा की उस उड़ान से दिल्ली आ रहे थे। फौरन बच्ची की जांच की गई। उसकी पल्स गायब थी। हाथ-पैर ठंडे पड़ चुके थे, बच्ची सांस नहीं ले पा रही थी। आसमान में उड़ रहे प्लेन में ही तुरंत सीपीआर शुरू किया गया जबकि संसाधन सीमित थे। शायद डॉक्टरों को इसीलिए भगवान का दर्जा दिया जाता है। एम्स के डॉक्टरों के कौशल और प्रबंधन की बदौलत ने बच्ची की जान बच गई।

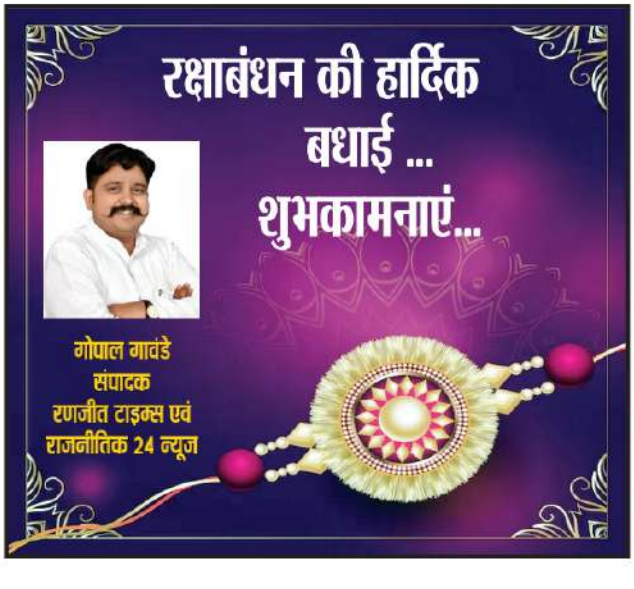

संपादकीय

बच्चे को थप्पड़, शिक्षण संस्थानों में अभी दूर है मानवीयता को मूल्य बनाने का सफर

सबसे चिंताजनक पहलू बच्चे के साथ हुए दुर्व्यवहार का तरीका है। यह कल्पना भी बेहद तकलीफदेह है कि जिस बच्चे को उसके सहपाठी थप्पड़ मार रहे थे, उसके कोमल मन-मस्तिष्क पर कितना गहरा मनोवैज्ञानिक आघात लगा होगा और भविष्य में वह स्कूल, कक्षा और बाकी बच्चों को लेकर किस हद तक सामान्य तरीके से सोच पाएगा। फिर शिक्षक के कहने पर थप्पड़ लगा रहे अन्य बच्चों के भीतर कैसा मानस तैयार होगा?

उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के एक स्कूल में एक बच्चे की पिटाई का मामला स्तब्ध कर देने वाला है। खबरों के मुताबिक, निजी स्कूल में प्राथमिक कक्षा के एक विद्यार्थी की गलती सिर्फ इतनी थी कि वह पहाड़ा याद करके नहीं आया था। इतने भर के लिए शिक्षिका ने अन्य बच्चों से बारी-बारी थप्पड़ लगवाया। जो बच्चा धीरे से मार रहा था, उसे और जोर से थप्पड़ मारने को कहा। पीड़ित बच्चे के रोने के बावजूद कक्षा के बाकी बच्चों ने शिक्षिका का आदेश पूरा किया।

संपादक- गोपाल गावंडे

बच्चे की धार्मिक पृष्ठभूमि और पहचान को लेकर भी की अवांछित टिप्पणी

इस घटना में ज्यादा आपत्तिजनक पहलू यह भी सामने आया कि शिक्षिका ने पिटाई खा रहे बच्चे की धार्मिक पृष्ठभूमि और पहचान को लेकर भी अवांछित टिप्पणी की। मामले ने तूल तब पकड़ा जब कक्षा में इस घटना का किसी ने वीडियो बना लिया और उसे प्रसारित कर दिया। हालांकि वीडियो के सामने आने पर शिक्षिका ने अपने बचाव में दलील दी और पुलिस ने वीडियो सहित पूरे मामले की जांच कराने की बात कही है।

पुलिस की सही जांच से ही मिल पाएगी न्याय

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद यही इस घटना के कानूनी निष्कर्ष तक पहुंचने का रास्ता होगा। मगर सच यह है कि घटना का जितना भी हिस्सा सामने आ सका है, वह बताता है कि हमारे शिक्षा संस्थानों में बेहतर पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ मानवीयता को एक मूल्य बनाने का सफर अभी बहुत लंबा है।

सवाल है कि सिर्फ कोई पाठ याद न कर पाने की वजह से किसी शिक्षक को यह अधिकार कहां से मिल जाता है कि वह बच्चे के साथ इस तरह पेश आए। इस मामले में कानूनी स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है और सर्वोच्च न्यायालय तक का साफ निर्देश है कि किसी भी स्थिति में बच्चे की पिटाई गैरकानूनी है। यहां तक कि उसके साथ डांट-फटकार भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद बहुत सारे शिक्षकों को इन निर्देशों पर गौर करना जरूरी नहीं लगता है। जबकि स्कूल और कक्षा में शिक्षक के व्यवहार को लेकर अगर कानूनी मानदंड तय किए जाते हैं तो यह अपने आप में एक अफसोसनाक पहलू है। इसके अलावा, सुर्खियों में आए वीडियो में शिक्षिका जो कहती दिखाई देती है, उससे जाहिर है कि वह न तो शिक्षण के लिए योग्य है और न ही उसमें मानवीय संवेदना के तत्त्व बचे हैं। यों भी, स्कूली शिक्षा के दौरान अगर कोई बच्चा पढ़ाई-लिखाई के मामले में पीछे रह जाता है, तो यह मुख्य रूप से शिक्षकों की ही नाकामी है। पर अपने दायित्व को ठीक से न निभा पाने की भरपाई के लिए कई बार शिक्षक विद्यार्थियों को ही जिम्मेदार ठहरा देते हैं।

ताजा घटना का सबसे चिंताजनक पहलू बच्चे के साथ हुए दुर्व्यवहार का तरीका है। यह कल्पना भी बेहद तकलीफदेह है कि जिस बच्चे को उसके सहपाठी थप्पड़ मार रहे थे, उसके कोमल मन-मस्तिष्क पर कितना गहरा मनोवैज्ञानिक आघात लगा होगा और भविष्य में वह स्कूल, कक्षा और बाकी बच्चों को लेकर किस हद तक सामान्य तरीके से सोच पाएगा। फिर शिक्षक के कहने पर थप्पड़ लगा रहे अन्य बच्चों के भीतर कैसा मानस तैयार होगा?अगर धर्म, जाति या वर्ग के आधार पर शिक्षक भी अपना बर्ताव तय करने लगेंगे और अन्य बच्चों को भी उसमें शामिल करेंगे तो जो समाज तैयार होगा, वह कितना मानवीय होगा? इस लिहाज से देखें तो इस घटना से निपटने के लिए सरकार को ऐसे कदम उठाने की जरूरत है, जो शिक्षा व्यवस्था को इस तरह के दुराग्रह और कुंठा से पूरी तरह मुक्त कर सके।

राजनीति

पहले मध्य प्रदेश, फिर छत्तीसगढ़ और अब बिहार में भी चुनाव लड़ेगी AAP, केजरीवाल की 'महत्वाकांक्षा' INDIA गठबंधन को ना ले डूबे!

खबर है कि आम आदमी पार्टी बिहार में भी चुनाव लड़ने जा रही है। ये ऐलान भी उस समय हुआ है जब मुंबई में विपक्षी एकता की तीसरी अहम बैठक होने जा रही है। आम आदमी पार्टी ने पिछले कुछ सालों में कई राज्यों तक अपना विस्तार कर लिया है। दिल्ली के बाद उसने पंजाब में सरकार बनाई है, गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है और मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी किस्मत आजमाने जा रही है। अब इसी कड़ी में खबर है कि आम आदमी पार्टी बिहार में भी चुनाव लड़ने जा रही है। ये ऐलान भी उस समय हुआ है जब मुंबई में विपक्षी एकता की तीसरी अहम बैठक होने जा रही है।

एक और राज्य और 'इंडिया' पर संकट

असल में दिल्ली में रविवार को आम आदमी पार्टी ने अपने बिहार के कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की। उस बैठक के बाद ही आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने बताया कि पार्टी बिहार में भी चुनाव लड़ेगी। उनके मुताबिक वर्तमान में बिहार में पार्टी के पास मजबूत संगठन नहीं है, लेकिन बड़ी तादात में नेता मौजूद हैं। उनके मुताबिक बिहार में किसी को भी राजनीति सिखाने की जरूरत नहीं है, 10 साल के बच्चे तक को सब समझ आता है। जोर देकर कहा गया है कि चुनाव लड़ने या ना लड़ने का सवाल ही नहीं उठता है, चुनाव में तो उतरना ही पड़ेगी।

अब आम आदमी पार्टी के इस एक ऐलान ने इंडिया गठबंधन में खलबली मचा दी है। आरजेडी नेता और सांसद मनोज झा ने दो टूक कहा है कि जिस समय विपक्षी एकता की नींव रखी गई थी, ये साफ किया गया था कि सभी पार्टियों को कुछ नियमों को पालन करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि आम आदमी पार्टी भी उन सिद्धांतों का पालन करेगी। वैसे आम आदमी पार्टी के लिए बिहार कोई पहला राज्य नहीं है जहां वो दूसरे दलों के विरोध के बीच उतरने की बात कर रही हो।

एमपी-छत्तीसगढ़ में भी बिगाड़ा खेल

कुछ दिन पहले ही आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि वे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने जा रहे हैं। दोनों ही राज्यों में उनकी तरफ से कांग्रेस पर निशाना भी साधा गया। इसी कड़ी में दिल्ली में कांग्रेस ने भी तल्ख तेवर दिखाते हुए कह दिया कि सातों सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। यानी कि हर तरफ इंडिया गठबंधन के लिए चुनौती वाली स्थिति बन रही है।

युवक की लाश मिली

इंदौर । छोटी ग्वालटोली पुलिस में नए सरवटे बस स्टैंड के पास से एक अज्ञात युवक की लाश बरामद की है । आरंभिक जांच में उसके शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं । खबर लेकर जाने तक माता की पहचान नहीं हो सकी । पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही ह।

टक्कर से दो घायल

इंदौर । विजयनगर चौराहे पर तेज रफ्तार में दौड़ रही कर ने बाइक को टक्कर मार दी जिसमें सवार जितेंद्र मिश्रा और अरविंद शर्मा दोनों निवासी पलासिया घायल हो गए। पुलिस ने कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

चाकू के साथ चार बंदी

इंदौर । गांधीनगर पुलिस ने श्याम पिता रमेश पवार और गोपाल पिता कृष्ण राठौर को पकड़ा इनके पास से दो चाकू बरामद किए। इसी प्रकार पुलिस मल्हारगंज ने गोपाल चौहान और कमलेश सिसोदिया को पकड़ा इनके पास से भी दो चाकू बरामद किए हैं। चारों के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है ।

महिला ने जहर खाया

इंदौर । महादेव तोतला नगर में रहने वाली महिला ने पति द्वारा लगाए गए चरित्र शंका के आरोप के चलते जहर खा लिया जिसे बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक भरी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पांच नशेड़ी पकड़ाई

इंदौर । पुलिस हीरानगर ने बजरंग नगर के पास गांजा पीते हुए मनोज रघुवंशी दिलीप पांडे यशवंत यादव अशोक माली और नितिन साहू को पकड़ा । इनके पास से गांजे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

ब्लेड से किया हमला

इंदौर । मालवीय नगर में रहने वाले दिनेश पिता हुकम चंद कौशल को किसी बात के चलते गोविंद पिता घनश्याम ने ब्लेड से हमला किया और धमकी देकर भाग गया । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सांप के डसने से मौत

इंदौर । रमेश पिता राम प्रसाद गहलोत 45 साल निवासी सनावद की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई । पुलिस के मुताबिक रमेश खेत पर कम कर रहा था तभी सांप ने डस लिया था। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

दो लोगों को धमकाया

इंदौर । फरियादी कविता पति केदार सोलंकी निवासी इंदिरा नगर के घर में घुसकर विनोद कौशल ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसी प्रकार फरियादी अजय शर्मा निवासी द्वारका पुरी के साथ निलेश यादव ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज किया है।

बैटरी चोर पकड़ा

इंदौर । फरियादी रंजीत पिता विजय शंकर वर्मा निवासी पाटनीपुरा की घर के बाहर खड़ी ई रिक्शा से बैटरी चुराते हुए शुभम पिता अनिल भारद्वाज को रंगे हाथों पकड़ा और पुलिस के हवाले किया।

प्रॉपर्टी विवाद के चलते ड्राइवर ने जहर खाकर किया आत्महत्या का प्रयास

इंदौर 28 अगस्त एरोड्रम थाना क्षेत्र में रहने वाले एक ड्राइवर ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। ड्राइवर ने आत्महत्या करने के पहले सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर बहन पर प्रॉपर्टी हड़पने का आरोप लगाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ड्राइवर का नाम दुर्गा प्रसाद पिता स्वर्गीय किशोरी लाल जायसवाल 45 साल निवासी एरोड्रम है। परिजनों के मुताबिक दुर्गा प्रसाद ने जहर खा लिया जिसे एरोड्रम क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। बताते हैं कि दुर्गा प्रसाद ने जहर खाने के पहले एक वीडियो बनाया जिसमें उसने बहन सीमा पर उसकी प्रॉपर्टी हड़पने का आरोप लगाया और यहां वीडियो सोशल मीडिया पर जारी कर दिया। टी आई राजेश साहू ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है।

कैफे संचालक ने घर में घुसकर की छेड़छाड़, केस दर्ज

इंदौर । सयोगितागंज पुलिस ने एक कैफे संचालक के खिलाफ छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी भूपेश पिता दिलीप कुमार जेठवा निवासी तिरुपति कॉलोनी के खिलाफ छेड़छाड़ सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि वह एक हॉस्टल में पति और परिवार के साथ रहती है। पास ही भूपेश कैफे सेंटर चलता है। करीब 5 महीने पहले भूपेश से उसकी पहचान हुई। एक दिन भूपेश ने मोबाइल पर कॉल कर कहा कि उससे बात किया करें नहीं तो उसके पति को मार देगा। इसके बाद मैं बात करने से इनकार किया तो वह लगातार धमकी देने लगा।

25 अगस्त की रात करीब 9 बजे पति मार्केट में खरीदारी करने गए तभी भूपेश घर आया और जबरदस्ती बात करने के लिए दबाव बनाने लगा इस दौरान उसने हाथ पकड़ा और छेड़छाड़ की शोर मचाया तो धमकी देकर भाग गया। महिला ने यहां बात घर पहुंचे पति को बताई। पति उसे थाने लेकर पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराई।

ऑटो रिक्शा में सवार महिला का 2 लाख रुपए से भरा बैग चोरी

इंदौर 28 अगस्त मल्हारगंज थाना क्षेत्र में ऑटो रिक्शा में सवार महिला का 2 लाख रुपए से भरा बैग चोरी हो गया। पुलिस रिक्शा चालक से पूछताछ कर रही है ।

मल्हारगंज पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना बड़ा गणपति चौराहा स्थित अनंत नेत्रालय के पास 25 अगस्त सुबह 10 बजे की है। फरियादी माधुरी पति नर्मदा प्रसाद शर्मा 42 साल निवासी अरिहंत नगर एरोड्रम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपने बेटे अथर्व शर्मा के साथ ऑटो रिक्शा में बैठकर घर जा रही थी मेरे पास बैग में एक लाख 85 000 नगदी रखे हुए थे। बड़ा गणपति चौराहे पर रिक्शा चालक ने गाड़ी रोकी और कहा कि तुम्हारा बैग आगे रख दो क्योंकि यहां 5 मिनट में और सवारी आने वाली है हम लगभग 30 मिनट तक वहां खड़े रहे और रिक्शा चालक आया तो हमने कहा कि हम यहां उतार रहे हैं और फिर मैं बेटे के साथ सिटी बस में बैठकर घर जाने के लिए रवाना हुई और बस में बैग देखा तो उसमें पैसे गायब मिले देखकर मेरे होश उड़ गए। मल्हारगंज पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया और ऑटो रिक्शा चालक से पूछताछ कर रही है।

पेट्रोल पंप पर डकैती डालने के पहले पांच बदमाश देसी कट्टे सहित गिरफ्तार गिरफ्तार

इंदौर । हीरानगर पुलिस ने पेट्रोल पंप पर डाका डालने की योजना बनाते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है इनके पास से देसी कट्टा और धारदार हथियार बरामद किया है। थाना प्रभारी पीएल शर्मा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एम आर 10 ब्रिज के नीचे बदमाश हथियारों से ले सोकर वारदात करने की योजना बना रहे हैं। इस पर शर्मा के निर्देश पर उप निरीक्षक शुभम पांडे के नेतृत्व में पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों का गिरफ्तार किया गया ।

प्रेम में असफल युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

इंदौर 28 अगस्त प्रेम में असफल युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना बाणगंगा थाना क्षेत्र की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक का नाम रत्नेश पिता बसंत साहू 26 साल निवासी न्यू गोविंद नगर है। बताते हैं कि उसमें घर की छत पर लगे पंखे से साड़ी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली। पता चलते ही उसे फंदे से उतारा और अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित किया। परिजन के मुताबिक रत्नेश का क्षेत्र में रहने वाली एक लड़की से प्रेम चल रहा था लड़की के परिजन ने रत्नेश से शादी करने से इनकार कर दिया था इसी के तनाव के चलते उसने यहां कदम उठाया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को कोई सुसाइड पत्र नहीं मिला है। बाणगंगा पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। इसी प्रकार गोरी नगर में रहने वाले श्याम पिता अर्जुन वर्मा 48 साल पारिवारिक कलह के चलते जहर खा लिया जिसे बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कर में सवार तस्करों से लाखों की ब्राउन शुगर मिली

इंदौर । आजाद नगर पुलिस ने स्विफ्ट कर में ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 7 लख रुपए की ब्राउन शुगर बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर शहर में मादक पदार्थ बेचने और खरीदने वालों के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत आजाद नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मुसाखेड़ी स्थित रेजिडेंसी पार्क के पास से गुजर रही स्विफ्ट कर एमपी 09 सी ढ 6 6 5 3 को रोका और उसमें सवार नीरज निवासी मयूर नगर दीपक उर्फ मोनू निवासी मुसाखेड़ी कृष्ण पाल सिंह निवासी सीहोर जो मुकाम मुसाखेड़ी और केशव निवासी नेहरू नगर को गिरफ्तार किया और कर की तलाशी ली तो सीट के नीचे बनाए गए विशेष की बिन में प्लास्टिक की थैली में रखी 71.5 ग्राम ब्राउन शुगर कीमत 7 लख रुपए की बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि ब्राउन शुगर कहां से लाए थे और किस सप्लाई करने जा रहे थे। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार राजेंद्र नगर पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान मोटरसाइकिल पर जा रहे नरेंद्र पिता राम प्रसाद कौशल और जितेंद्र पिता बंसीलाल चौहान दोनों निवासी अमितेश नगर को पकड़ा तलाशी लेने पर उनके पास से सवा किलो गांजा बरामद किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

लेनदेन की विवाद में किया हमला

इंदौर । पैसे के लेनदेन की बात को लेकर चंदन नगर क्षेत्र में एक बुजुर्ग और उसके परिवार पर हमला करने की घटना हुई । प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी आबिद पिता अब्दुल राशिद हुसैन 55 साल निवासी नूरानी नगर की रिपोर्ट पर आरोपी अब्दुल समद इस्माइल खान और रमजान आदि के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया हैं। फरियादी आबिद हुसैन के मुताबिक आरोपियों ने पैसे के लेनदेन की बात को लेकर घर में घुसकर हमला किया जिसमें दो लोगों को चोट आई है। इसी प्रकार फरियादी रवि पिता मुन्नालाल सिसोदिया निवासी कुंदन नगर को घर के सामने कचरा फेंकने की बात को लेकर जितेंद्र चौहान ने चाकू मार दिया और बीच बचाव करने आया दोस्त प्रकाश भी घायल हो गया । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। वही बड़ी भमोरी में रहने वाले दिनेश पिता घनश्याम कुशवाहा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह बजरंग नगर से मोटरसाइकिल लेकर जा रहा था तभी टक्कर लगने की बात को लेकर अशोक पिता शिवनारायण यादव ने चाकू मार दिया और धमकी देकर फरार हो गया । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रक्षाबंधन का पर्व बहन और भाई के प्यार का प्रतिक है। इस साल रक्षाबंधन की तारीख और मुहूर्त को लेकर बहुत कंफ्यूजन है। साथ ही जानते हैं राखी बंधने के लिए शुभ मुहूर्त कब से कब तक रहने वाला है। सावन शुरू होते ही बहनें इस माह के पूर्णिमा का इंतज़ार करने लगती हैं। इसी माह के पूर्णिमा को वे अपने भाइयों की दाहिनी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर दृष्ट तथा अदृष्ट विघ्नों से उनके रक्षा की कामना करती है। न सिर्फ उनके रक्षा की कामना करती हैं बल्कि अपने संबंध की प्रगाढ़ता की भी कामना करती हैं। सावन मास की पूर्णिमा तिथि के दिन रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी रक्षा का कामना करती हैं। अपने भाइयों की रक्षा की कामना के साथ साथ अपने संबंध भी मजबूत करती है। रक्षाबंधन की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। इस बार रक्षाबंधन की तारीख को लेकर कंफ्यूजन है कि रक्षाबंधन 30 या 31 अगस्त किस दिन मनाया जाएगा। साथ ही इस दिन भद्रा का साया भी है तो आइए जानते हैं राखी किस दिन आप किस शुभ मुहूर्त में बांधना उत्तम रहेगा।

रक्षाबंधन की तारीख और मुहूर्त, इस समय तक भद्रा के कारण राखी बांधना अशुभ फलदायी

रक्षाबंधन में भद्रा विचार

भद्रा में कुछ संस्कार एवं कार्य वर्जित हैं जिनमें से एक रक्षाबंधन भी है। इसलिए भद्रा के बारे में जानना आवश्यक है।

एक तिथि में दो करण होते हैं। जब विष्टि नामक करण आता है तब उसे ही भद्रा कहते हैं।

भद्रा का वास

जब चंद्रमा कर्क, सिंह, कुंभ या मीन राशि में होता है तब भद्रा का वास पृथ्वी पर होता है। चंद्रमा जब मेष, वृष, मिथुन या वृश्चिक में रहता है तब भद्रा का वास स्वर्गलोक में होता है। जब चन्द्रमा कन्या, तुला, धनु या मकर राशि में चंद्रमा के स्थित होता है तो भद्रा का वास पाताल लोक में होता है।

भद्रा जिस लोक में रहती है वहीं प्रभावी रहती है। इस प्रकार जब चंद्रमा कर्क, सिंह, कुंभ या मीन राशि में होगा तभी वह पृथ्वी पर असर करेगी अन्यथा नहीं।

रक्षा बंधन की प्राचीन कथा

देवासुर संग्राम में एक समय ऐसा भी आया जब यह लगने लगा कि अब देवताओं की पराजय तय है 7 सभी देव चिंतित होकर गुरु बृहस्पति के पास गए। देव और बृहस्पति के बीच हो रहे संवाद को संयोग से इन्द्राणी भी सुन रही थी7 उसके आधार पर उसने यह निर्णय लिया कि मैं पूरे विधान से उस रक्षा सूत्र का निर्माण करुंगी जो इंद्र की रक्षा कर सके। उसने रक्षा सूत्र तैयार किया और ब्राह्मणों को देकर उसे इंद्र की कलाई पर बांधने के लिए कहा। ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार करते हुए रक्षा सूत्र को इंद्र की कलाई पर बांधा। परिणाम युद्ध में इंद्र की विजय हुई। तभी से प्रत्येक वर्ष सावन पूर्णिमा को इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई।

सुभद्रा श्रीकृष्ण को राखी बांधती है।

'राखी बाँधत बहिन सुभद्रा
बल अरु श्री गोपाल के ।
कंचन रत्न थार भरी मोती
तिलक दियो नंदलाल के ॥

यहां तक की माता जसोदा भी अपने ललन की रक्षा के लिए उनकी कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधती हैं।

'मात जसोदा राखी बांध बल के श्रीगोपाल के। कनक-थार अच्छीत, कुंकुम लै तिलकु कियो नंदलाल के ॥'

इस दोहे से पता चलता है कि भगवान श्री कृष्ण की बहन सुभद्रा ने भी उन्हें राखी बांधी थी। सिर्फ उनकी बहन ने ही नहीं बल्कि उनकी मां ने भी उनकी रक्षा के लिए उन्हें राखी बांधी थी।

रक्षा बंधन का वैज्ञानिक पहलू

चिकित्सीय महत्व को देखें तो वह यह कि इससे रक्तचाप नियंत्रित रहता है। भविष्य पुराण में तो कहा गया है कि इस समय धारण किया गया रक्षा सूत्र वर्ष पर्यन्त समस्त रोगों से से रक्षा करता है।

रक्षाबंधन कब – 30 या 31 अगस्त को?

सावन पूर्णिमा की शुरुआत 30 अगस्त को सुबह 10:58 बजे होगी। इस समय विष्टि करण रहेगा। इसी दिन सुबह 10 बजकर 19 मिनट में चन्द्रमा कुंभ राशि में प्रवेश करेगा। अर्थात भद्रा का वास पृथ्वी पर होगा। 30 अगस्त को रात्रि 9 बजकर 1 मिनट तक विष्टि करण रहेगा। इसके बाद करण परिवर्तित होगा।

31 अगस्त को सुबह 7 बजकर 07 मिनट तक पूर्णिमा रहेगा। हालांकि चन्द्रमा इस समय भी कुंभ राशि में रहेगा परंतु विष्टि करण नहीं रहेगा।

इसलिए 31 अगस्त को सुबह 7 बजकर 7 मिनट से पहले रक्षा सूत्र बांधे जाने का उत्तम मुहूर्त है।

दाम बढ़ने से पहले ही ऐसे स्टोर करके रख लें प्याज, महीनों तक नहीं पड़ेगी खरीदने की जरूरत

यदि आप प्याज को लंबे समय तक स्टोर करके इसके ताजगी का स्वाद लेना चाहते हैं, तो यहां बताए गए टिप्स आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। प्याज के बिना कुकिंग करना बहुत सारे लोगों के लिए मुश्किल होता है। क्योंकि आमतौर पर हर घर में दाल, सब्जी से लेकर सलाद तक में रोज प्याज का सेवन किया जाता है। ऐसे में यदि यह महंगा हो जाए तो खाने की थाली का स्वाद फीका पड़ने लगता है। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में यह खबर आ रही है कि टमाटर के बाद अब प्याज के दाम काफी बढ़ सकते हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा हुआ तो जिस तरह से 200 रुपए तक टमाटर के रेट पहुचने पर ज्यादा लोग इसे खरीद नहीं रहे थे, उसी तरह प्याज भी खरीदना लोगों के लिए मुश्किल हो जाएगा।

ऐसे में इस तरह की स्थिति से बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि प्याज के भाव बढ़ने से पहले ही आप इसे खरीदकर कुछ समय के लिए स्टोर करके रख लें। यहां हम आपको प्याज को लंबे समय तक फ्रेश रखने के कुछ बेहद ही कारगर तरीके बता रहे हैं। आप अपनी सुविधा के अनुसार, इनमें से किसी भी एक का इस्तेमाल करके पैसों की बचत कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें जरूरत से ज्याद प्याज ना खरीदें क्योंकि इससे भी आपका बजट बिगड़ सकता है।

टिश्यू पेपर में लपेटकर रखें प्याज

बिना किसी ज्यादा मेहनत के आप प्याज को महीनों तक स्टोर करके रख सकते हैं। इसके लिए प्याज को अलग-अलग टिश्यू पेपर में लपेटकर कपड़े या जूट के थैले में किसी डार्क और कूल जगह पर रख दें। ध्यान रखें आपको इसे फ्रिज में नहीं रखना है।

प्याज को काटकर आप इसे लगभग 15-20 दिन से 3 महीने तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

इसके लिए प्याज को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर इसे 5-10 मिनट हवा में खुला छोड़ने के बाद एक एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिजर में स्टोर कर लें।

इस तरह से 6 महीने तक नहीं खराब होंगे प्याज

यदि आप प्याज को 6 महीना या इससे ज्यादा समय तक स्टोर करना चाहते हैं, तो आप इसे तलकर रख सकते हैं। इसके लिए जरूरत के अनुसार प्याज को मीडियम स्लाइस में काट लें। फिर इसे तेल में ब्राउन होने तक फ्राई करके एक एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करके रख लें। ध्यान रखें इस तक नमी या ज्यादा रोशनी और गर्माहट नहीं पहुंचनी चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

प्याज को प्लास्टिक के बैग में ना करें स्टोर
फ्रिज में छिलके के साथ प्याज ना रखे
स्टोर करने के लिए अंकुरित प्याज का चयन ना करें
ऐसे प्याज को छांट कर अलग करें जिसमें दाग हो
स्टोर करने के लिए बड़े और सूखे छिलके वाले प्याज को चुने

Farm House Wala.com

BUY FARMHOUSE
AT INDORE–
KHANDWA ROAD

PRICE
351/-
SQFT

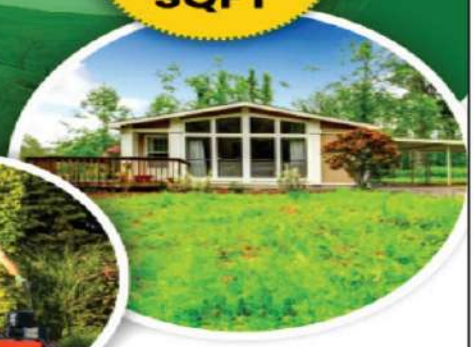

Platinum Package

- ☑ 10*20 swimming pool
- ☑ Plantation
- ☑ RCC Boundari
- ☑ landscaping
- ☑ Fountain
- ☑ 800 Sqft 2 BHK

BOOK NOW

Visit Our Website
farmhousewalaa.com

Contact Us
8889066688

SATGURU NAGAR

RESIDENTIAL
PLOTS FOR SALE
PRICE STAR FROM 1111/- SQFT

- Registry Free
- 100 Plants
- Smart Watch
- 42 inch. LED TV
- Scooty

Indore - Khandwa Road
8889066688

यह संतुलन हमें अवश्य प्राप्त करना चाहिए, इसमें स्थिर होना चाहिए, और आप तब तक आगे बढ़ते रहें जब तक आप अपने तालू भाग में नहीं पहुंच जाते, जहाँ सदाशिव बैठे हुए हैं। आप इसका अनुभव ले सकते हैं। जो कुछ भी मैं कह रही हूँ, इसे आप स्वयं देख सकते हैं। आप इसे अच्छी तरह से जानते हैं। एक ही चीज है, कि जो कुछ भी मैं कह रही हूँ, आप सरलता से इसकी जांच कर सकते हैं। सहजयोग को अत्यंत सरलता से सत्यापित किया जा सकता है, और आप यह जानते हैं, कि आप अब केवल सत्य को जानते हैं, वह सत्य जो संपूर्ण है।

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी, 5 मार्च 2000

हमें दाईं ओर या बाईं ओर नहीं जाना, संतुलन में रहते हुए हमें मध्य से जाना है, क्योंकि हम मध्यमार्गी हैं

मैं आशा करती हूँ कि आप समझ गए होंगे कि यह कितना महत्वपूर्ण है कि आपके चक्र ठीक होने चाहिएं, आपका मार्ग बिल्कुल सही होना चाहिए, आपकी सुषुम्ना स्वच्छ होनी चाहिए क्योंकि हम मध्यमार्गी हैं। हमें मध्य से जाना होगा, मध्य मार्ग से, और हमें संतुलन में रहना होगा, बाईं ओर नहीं जाना और दाईं ओर नहीं जाना। यह संतुलन हमें अवश्य प्राप्त करना चाहिए, इसमें स्थिर होना चाहिए, और आप तब तक आगे बढ़ते रहें जब तक आप अपने तालू भाग में नहीं पहुंच जाते, जहाँ सदाशिव बैठे हुए हैं। आप इसका अनुभव ले सकते हैं। जो कुछ भी मैं कह रही हूँ, इसे आप स्वयं देख सकते हैं। आप इसे अच्छी तरह से जानते हैं। एक ही चीज है, कि जो कुछ भी मैं कह रही हूँ, आप सरलता से इसकी जांच कर सकते हैं। सहजयोग को अत्यंत सरलता से सत्यापित किया जा सकता है, और आप यह जानते हैं, कि आप अब केवल सत्य को जानते हैं, वह सत्य जो संपूर्ण है।र

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी ।
5 मार्च 2000

परमात्मा द्वारा बनाए गए सभी प्राणियों में से आप सर्वोत्तम प्राणी हैं

रआप सभी प्राणियों के उच्चतम प्रतीक हैं। धरती माँ के अंदर से उगने वाली कोई भी चीज यह कार्य नहीं कर सकती, जो आप कर सकते हैं। यह कुंडलिनी नहीं उठा सकती। नहीं, यह नहीं कर सकती। हो सकता है, थोड़ा बहुत असर हो, लेकिन यह उतनी शक्ति के साथ, उतनी निपुणता से काम नहीं करेगी। आप परमात्मा के द्वारा रचे गए एक अत्याधुनिक यंत्र की तरह हैं, अत्यंत निपुण और अत्यंत प्रभावशाली। और आपका यह मस्तिष्क, जब बीच में आ जाता है तो समस्या हो जाती है, और आपका यह मस्तिष्क, उस विराट के मस्तिष्क की तुलना में कुछ भी नहीं है। आपका मस्तिष्क कुछ भी नहीं है, अपितु यह एक छोटे से मच्छर की तरह है, यह ऊपर आता है, यहां-वहां आता-जाता है और कहता है, रओह यह, यह, यह, यह, यह, यहर, और तब समस्या शुरू हो जाती है। लेकिन अगर आप वास्तव में अपने अंदर की शक्ति का उपयोग करना शुरू कर देते हैं, तो आप पाएंगे कि परमात्मा ने आपको एक ऐसा सर्वोत्तम यंत्र बनाया है जो आप सोच भी नहीं सकते। और जैसे ही आप अपने इस यंत्र का उपयोग विवेकशीलता से और समर्पण या विनम्रता से करना शुरू करते हैं, तो धीरे-धीरे यह यंत्र और अधिक, और अधिक, और अधिक विकसित होता जाता है, और आप ज्यादा संवेदनशील पक्षों को विकसित करते हैं, या हम कह सकते हैं, आप इसमें नए तरीके विकसित करते हैं, और सहजयोग की कार्य प्रणाली के प्रति बेहतर, और अधिक अच्छी समझ विकसित करते हैं। - 4 मार्च 1983

विवेक अग्निहोत्री की द वैक्सीन वॉर का पहला रिव्यू, आर माधवन बोले- दिमाग हिल गया

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वॉर का न्यूयॉर्क में प्रीमियर हुआ। आर माधवन ने ये फिल्म देखी और इसका पहला रिव्यू फैंस के साथ शेयर किया। इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी टूर के हिस्से के रूप में आयोजित स्पेशल स्क्रीनिंग में आर माधवन भी शामिल थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म को खूब सराहा। उन्होंने बताया कि मूवी देखते समय वो खुश हुए, ताली बजाई और रोए भी। उन्होंने पल्लवी जोशी, अनुपम खेर, नाना पाटेकर और राइमा सेन की एक्टिंग की भी जमकर तारीफ की है।

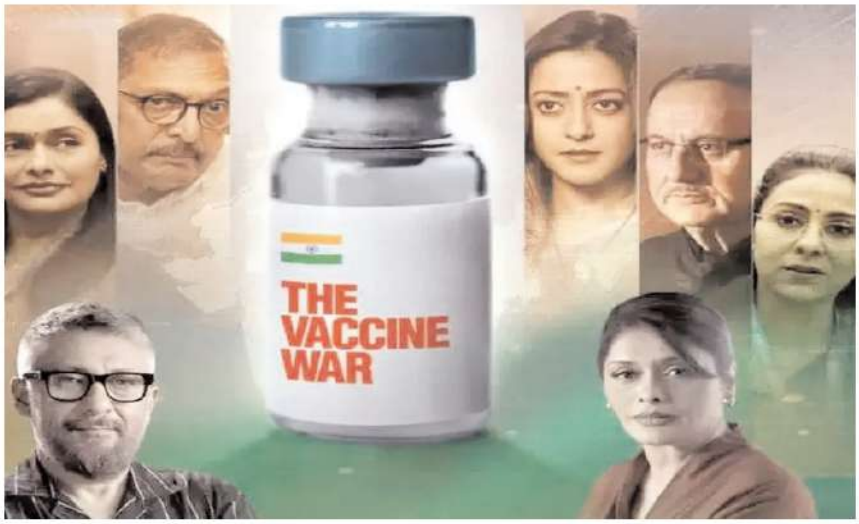

R Madhavan ने लिखा, अभी-अभी द वैक्सीन वॉर देखी और इंडियन साइंटिफिक कम्युनिटी के शानदार बलिदानों और उपलब्धियों को देखकर मेरा दिमाग हिल गया। जिन्होंने भारत की पहली वैक्सीन बनाई और सबसे मुश्किल समय में देश को सुरक्षित रखा। एक मास्टर स्टोरी टेलर विवेक अग्निहोत्री द्वारा बनाई गई, जो आपको एक ही समय में खुश करना, ताली बजाना, रोना और उत्साह से भर देगी।

नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास भारत को दिलाया वर्ल्ड चैंपियनशिप में पहला गोल्ड

नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीतते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने 88.17 मीटर का थ्रो करते हुए उन्होंने भारत को विश्व चैंपियनशिप इतिहास का पहला गोल्ड दिलाया। इससे पहले उन्होंने सिल्वर मेडल और अंजू बॉबी जॉर्ज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

नई दिल्ली। ओलिंपिक गोल्ड, डायमंड लीग में गोल्ड और अब वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में गोल्ड.. स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने भारत को खेलों में भी चांद पर पहुंचा दिया है। भारत की आन बान और शान कहे जाने वाला यह एथलीट जब क्वॉलिफाइंग में टॉप पर रहा तो हर किसी को उम्मीद थी कि पिछली बार की कसर इस बार पूरी होगी। हुआ भी यही। नीरज ने 88.17 मीटर का थ्रो करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप इतिहास में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय

इसके साथ ही उन्होंने इतिहास रच दिया। वह एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप इतिहास में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय हैं, जबकि यह तीसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने सिल्वर जीता था, जबकि लॉन्ग जंपर अंजू बॉबी जॉर्ज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इवेंट का सिल्वर मेडल पाकिस्तान के नदीम और ब्रॉन्ज मेडल चेक रिपब्लिक के याकूब के नाम रहा।

राखी पर्व पर बहनों को मिला 250 रूपये का विशेष उपहार

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में अक्टूबर से मिलेंगे 1250 रूपये- मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रक्षा-बंधन पर दिया लाड़ली बहनों को उपहार

सावन के अवसर पर 450 रूपये में रसोई गैस सिलेण्डर मिलेगा

पुलिस सहित अन्य भर्तियों में 35 प्रतिशत बहनों को मिलेंगी नियुक्तियाँ

सितंबर तक बढ़े हुए बिजली बिल की वसूली नहीं होगी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रक्षा-बंधन पर आज बहनों के खाते में सिंगल क्लिक से 312.64 करोड़ रुपए की राशि अंतरित कर उन्हें विशेष उपहार दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों को प्रतिमाह दी जा रही 1000 रूपए की राशि के स्थान पर अक्टूबर माह से 1250 रूपये की राशि दी जाएगी। राखी पर्व पर आज प्रत्येक बहन को उपहार के रूप में 250 रूपये दिए जा रहे हैं। बहनों के खाते में दस सितंबर को योजना के एक हजार रुपए डाले जाएंगे। इसके पश्चात अक्टूबर माह से 1250 रुपए की राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज यहाँ जंबूरी मैदान भोपाल में विशाल लाड़ली बहना सम्मेलन में महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं।

27 अगस्त बना लाड़ली बहनों के जीवन में महत्वपूर्ण दिवस

सावन के पवित्र अवसर पर लाड़ली बहनों को रसोई गैस सिलेण्डर 450 रूपये में मिलेगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस महत्वपूर्ण घोषणा में यह कहा कि सावन के अवसर पर लाड़ली बहनों को एक रसोई गैस सिलेण्डर 450 रूपये में पड़ेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह भी कहा है कि लाड़ली बहनों के हित में रसोई गैस सिलेण्डर के लिये आगे स्थायी व्यवस्था की जायेगी। राज्य शासन संबंधित गैस एजेन्सी से जानकारी प्राप्त करेगी तथा सावन के इस पवित्र अवसर पर लाड़ली बहनों को 600 रूपये प्रतिमाह तक की राशि की प्रतिपूर्ति उनके बैंक खातों में राशि डालकर की जायेगी। ताकि बहनों को रसोई गैस सिलेण्डर की लागत 450 रूपये ही आये।

बहनों के जीवन को बदलने का संकल्प बना योजनाओं का आधार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज प्रदेश में नारी शक्ति की आवाज गूंज रही है। आज यहां भाई बहन के पवित्र रिश्ते को प्रणाम करने आया हूँ। बहनों के बिना दुनिया आगे नहीं बढ़ सकती। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने जीवन में पैतृक ग्राम में ही बहनों के साथ भेदभाव के प्रसंग देखे। समाज में बेटों की संख्या ज्यादा होने लगी थी। महिलाओं के जीवन को सम्मानजनक बनाने के लिए तभी संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री बनने के पहले विधायक और सांसद के रूप में भी अभावग्रस्त परिवारों की बेटियों के विवाह करवाने का कार्य किया। बहनों के जीवन को सँवारने के संकल्प को बाद में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रकट किया। यह संकल्प महिला कल्याण योजनाओं का आधार बना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे बेटियों और बहनों की आँखों में आँसू नहीं देख सकते। बहनों की जिंदगी बदलना जीवन का संकल्प है।

पुलिस सहित अन्य भर्तियों में 30 के स्थान पर 35 प्रतिशत आरक्षण देंगे, अन्य क्षेत्रों में भी मिलेंगी सुविधाएं

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पुलिस सहित अन्य भर्तियों में 35 प्रतिशत बहनों को नियुक्तियां दी जायेंगी। शिक्षकों के पदों पर 50 प्रतिशत बहनें नियुक्त होंगी। स्थानीय निकायों में एल्डरमैन और अन्य पदों पर महिलाओं को प्राथमिकता दी जायेगी। बहनों और बेटियों को बेहतर शिक्षा का प्रावधान करते हुए बहनों की शिक्षण फीस शासन द्वारा दी जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहनों का सम्मान सर्वोपरि है। यदि बहनें नहीं चाहेंगी तो किसी क्षेत्र में मदिरा की दुकान नहीं खुलेगी। इसके लिए आबकारी नीति में परिवर्तन किए जाएंगे।

बहनों की आय प्रतिमाह 10,000 तक करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लाड़ली बहनें आजीविका मिशन के अंतर्गत आ जाएंगी तो उन्हें सभी आवश्यक लाभ मिलेंगे। लाड़ली बहनों को आजीविका मिशन के अंतर्गत 2 प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। ब्याज राज्य सरकार भरेगी। पथ विक्रेता योजना का लाभ मिलेगा। छोटे-मोटे उद्योग के लिए इंडस्ट्रियल स्टेट में भूखंड मिलेगा। प्रदेश में बहनों के नाम स्टाम्प शुल्क अब एक प्रतिशत कर दिया गया है। लक्ष्य यह है कि बहनों की मासिक आमदनी कम से कम 10 हजार रुपए हो जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा की गई महत्वपूर्ण घोषणाएं

सावन के पवित्र अवसर पर बहनों को 450 रूपये में रसोई गैस सिलेण्डर मिलेगा। बाद में स्थायी व्यवस्था की जाएगी ताकि बहनें परेशान न हों।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों को प्रतिमाह दी जा रही 1000 रूपए की राशि के स्थान पर अक्टूबर माह से 1250 रूपये की राशि दी जाएगी।

पुलिस सहित अन्य भर्तियों में 35 प्रतिशत बहनों को नियुक्तियां दी जायेगी। शिक्षकों के पदों पर 50 प्रतिशत बहनें नियुक्त होंगी। स्थानीय निकायों में एल्डरमैन और अन्य पदों पर महिलाओं को प्राथमिकता दी जायेगी।

यदि बहनें नहीं चाहेंगी तो किसी क्षेत्र में मदिरा की दुकान नहीं खुलेगी। इसके लिए आबकारी नीति में परिवर्तन किया जायेगा।

गाँव में निःशुल्क भूखंड और शहरों में अतिक्रमण से मुक्त जमीन पर भूखंड बहनों को दिये जाएंगे। मुख्यमंत्री आवास योजना में भी लाभ दिया जायेगा।

सितंबर तक बढ़े हुए बिजली बिल की वसूली नहीं होगी। सिर्फ सौ रूपए तक बिल आएगा।

मजदूरों-टोलों में जिनके घर बिजली नहीं है, वहाँ बीस घर की बस्ती में भी बिजली दी जाएगी। बिजली देने के लिए 900 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

लाड़ली बेटियों को मामा पढ़ाएगा। उनकी फीस भरवाई जाएगी, ताकि बेटियाँ भी ठीक से पढ़ सकें।

जितनी भी लाड़ली बहना हैं वे सभी आजीविका मिशन के अंतर्गत आएंगी, उन्हें लोन भी मिलेगा जिससे वे अपना काम शुरू कर सकें। इस लोन का ब्याज मध्यप्रदेश की सरकार भरेगी।

इंडस्ट्रियल एस्टेट्स में बहनों को उद्यमिता के लिए प्लॉट प्राथमिकता से दिए जाएंगे।

गांवों में बहनों को रहने के लिए भू-खंड दिया जाएगा। शहर में माफिया से छीनी गई भूमि पर बहनों के रहने के लिए प्लॉट दिया जाएगा।

बढ़े हुए बिजली बिलों की वसूली बहनों से नहीं की जाएगी, बढ़े बिजली बिलों से बहनों को मुक्ति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सेवा परमो धर्म वाहन रैली का किया स्वागत

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने लिंक रोड नं.1 पर स्थित बी-8, 74 बंगला पर करूणाधाम आश्रम की फ्रसेवा परमो धर्म वाहन रैली का स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने करूणाधाम पीठाधीश्वर गुरूदेव सुदेश शाडिल्यजी महाराज का पुष्पहार पहनाकर और रैली पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि नेहरू नगर स्थित करूणाधाम आश्रम में 27 से 29 अगस्त तीन दिन तक गुरूदेवालय स्थापना समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। बैरागढ़ के चंचल चौराहे से वाहन रैली शुरू हुई और भोपाल के विभिन्न मार्गों से होते हुए करूणाधाम आश्रम पहुंचेगी।

4 बड़े प्रोजेक्ट

भंवरकुआं और खजराना फ्लायओवर; दिसंबर तक एक लेन शुरू करने के लिए सभी पिलर तैयार, अब पियर कैप की लांचिंग शुरू

इन्दौर । शहर के चार चौराहों खजराना, भंवरकुआं, लवकुश और फूटीकोठी पर बन रहे सिक्स लेन फ्लायओवर का निर्माण तीन शिफ्ट में काम करके किया जा रहा है। भंवरकुआं और खजराना फ्लायओवर की एक लेन दिसंबर में शुरू करने के लिए पिलर तैयार हो गए हैं। अब पियर कैप लांच होना शुरू हो गई है। आईडीए के चेयरमैन जयपालसिंह चावड़ा, कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी, सीईओ रामप्रकाश अहिरवार का कहना है कि जिस गति से काम चल रहा है, उस हिसाब से दिसंबर तक एक लेन पूरी तरह नजर आने लगेगी। एक लेन में 9 पिलर पर ब्रिज खड़ा होगा। वहीं दूसरी लेन में 8 पिलर रहेंगे, जो रोबोट चौराहा से खजराना की ओर जाने वाली लेन होगी।

अंकलेश्वर (गुजरात) में बन रहे स्पान, साइट पर लाकर फिट करेंगे

गुजरात के अंकलेश्वर में दोनों ब्रिज के लिए स्पान बनाए जाने का काम चल रहा है। यह ऐसे रहेंगे कि बनने के बाद सीधे लाकर पियर कैप के ऊपर फिट किए जा सकेंगे। इससे समय की बचत होगी। सभी ब्रिज ऐसे बनाए जा रहे हैं कि उनके नीचे भी ट्रैफिक के लिए ज्यादा से ज्यादा जगह मिल सके। महज 9 पिलर पर एक लेन तैयार हो जाएगी। पीपल्याहाना, बंगाली, माणिकबाग सहित अन्य ब्रिज में इस तकनीक का उपयोग नहीं हुआ, जिसकी वजह से ब्रिज के ठीक नीचे की जगह वाहनों के लिए नहीं बची।

फूटीकोठी और लवकुश चौराहा

1. फूटीकोठी पर भी काम तेजी से चल रहा है। इसकी वजह ये है कि यहां ओपन फाउंडेशन से काम हो रहा है। यहां भी पिलर लॉचिंग

और पियर कैपिंग शुरू हो गई है।

2. लवकुश चौराहा पर भी ब्रिज के लिए एक जैसे पिलर नजर आने लगे हैं। सबसे पहले इसी चौराहे का काम शुरू हुआ था। यहां 139 करोड़ की लागत से डबल डेकर ब्रिज भी बनना है।

सरकारी अस्पतालों के 'हाल' जानने पहुंचे संभागायुक्त और कलेक्टर

एमवायएच की कैंटीन में गंदगी देख बोले- ये तो मरीजों की सेहत से खिलवाड़ है

इन्दौर । सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण करने संभागायुक्त माल सिंह और कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी रविवार को एमवाय अस्पताल पहुंचे। कैंटीन में गंदगी देख अफसर नाराज हुए। उनके साथ अधीक्षक डॉ. पीएस ठाकुर भी थे। संभागायुक्त ने पूछा दुनिया को साफ-सफाई की सीख देने वाले डॉक्टर्स भी यहां खाना खा रहे। बहुत हैरानी की बात है। मरीजों की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है। कैंटीन संचालक से पूछा सफाई भी नही कर पा रहे हो? किसी ने रोका है क्या?

संभागायुक्त ने अस्पताल प्रशासन को कार्रवाई के निर्देश दिए। दोपहर करीब 1 बजे संभागायुक्त अस्पताल गए। डीन डॉ. संजय दीक्षित भी मौजूद थे। उन्होंने सबसे पहले तलघर में मौका-मुआयना किया। इसके बाद किचन की व्यवस्थाएं देखीं। यहां से सीधे कैंटीन गए। डीप फ्रीजर में तरबूज कटा हुआ रखा था। एमवायएच अधीक्षक को निर्देश दिए व्यवस्थाएं नहीं सुधारी तो एफआईआर करवाएं।

तलघर में कबाड़ देखकर नाराज, इसे जल्द नष्ट करें

एमवाय अस्पताल के तलघर में वर्कशॉप में इलेक्ट्रिक वेल्डिंग का काम हो रहा था। इसे देखकर वे नाराज हुए। कहा कि ऐसे तो कभी भी कोई घटना हो सकती है। आग लग सकती है। यहां सालों पुराना कबाड़ भी रखा मिला। इस पर कहा इसे डिस्पोज करवाइए। चाचा नेहरू अस्पताल के लिए कलेक्टर ने सुझाव दिया कि ओपीडी में इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले लगाया जाए, जिसमें डॉक्टरों के नाम व कमरा नंबर डिस्प्ले हों, ताकि मरीजों को पता चल सके कि उस दिन किस डॉक्टर की ओपीडी है।

इंदौर के व्यापारिक संगठनों की दूर नहीं हुई समस्या

नगर निगम के रिमूवल अमले से खफा, राजबाड़ा क्षेत्र में फुटपाथ के कारोबारियों ने अपनाया नया तरीका

इन्दौर । मध्य क्षेत्र के 13 व्यापारिक संगठनों की मांग पर नगर निगम प्रशासन ने राजबाड़ा के आसपास के बाजारों में सड़क-फुटपाथ न दुकान न लगे, इसके लिए बाकायदा रिमूवल अभियान चलाया। इसके बावजूद निगम के अमले के निजी स्वार्थ के चलते पिछले दो दिनों में सड़क पर अवैध कारोबार नए तरीके से कब्जा करके किया जा रहा है।

व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों अविनाश शास्त्री, बसंत सोनी, दीपक खत्री, नितेश चौरसिया, पवन पंवार, राजेश जैन का कहना है कि नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने व्यापारिक संगठनों को पूरी तरह आश्वस्त किया था कि स्मार्ट सिटी और हैरिटेज क्षेत्र में सड़क फुटपाथ पर अतिक्रमण बिलकुल नहीं होने देंगे। इसके बाद उपायुक्त लता अग्रवाल ने अतिक्रमण के खिलाफ सड़क पर उतरकर प्रभावी कदम उठाए थे, लेकिन इस क्षेत्र के रिमूवल का दायित्व देखने वाले निगमकर्मियों द्वारा अपने-अपने लाभ-हानि के मुताबिक अतिक्रमणकर्ताओं को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने अब सड़क-फुटपाथियों को अवैध कारोबार करने के नए तरीके अपनाने का सुझाव दिया कि दुपहिया वाहन को ही अपने कारोबार का स्टाल बना लो। राजबाड़ा, इमामबाड़ा, अटाला बाजार, पिपली बाजार में 400 से ज्यादा फुटपाथियों ने दुपहिया स्टाल संचालित करना शुरू कर दिया। इसी तरह अपने अंग को ही अपनी शॉप बनाकर सड़क पर खड़े होकर व्यापार किया जा रहा है। रिमूवल टीम के नए नुस्खे का उपयोग अवैध अतिक्रमण कारोबारियों खूब कर रहे हैं। इधर रिमूवल सुपरवाइजर शुभम गर्दे का कहना है कि हम सड़क अवरुद्ध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सतत कर रहे हैं लेकिन मानव शापि को हम कैसे हटाएं, यह चुनौती है। इधर 13 व्यापारिक संगठनों की शिकायत के बावजूद रिमूवल दल द्वारा कार्रवाई नहीं की जाने से व्यापारिक सदस्यों में आक्रोश बढ़ रहा है।

इंदौर के महू में उषा ठाकुर की जगह अबकी बार स्थानीय उम्मीदवार की मांग

इंदौर। विधानसभा चुनाव के पहले इंदौर के बाद विरोध के सुर महू में भी उठने लगे हैं। महू में होर्डिंग लगाकर मंत्री उषा ठाकुर का विरोध भाजपाइयों ने शुरू कर दिया है। ठाकुर को बाहरी बताकर स्थानीय उम्मीदवार को टिकट देने की मांग की जा रही है।

बता दें इससे पहले इंदौर के विधानसभा 1 में सुदर्शन गुप्ता, विधानसभा 5 में महेंद्र हार्डिया और राऊ में मधु वर्मा के विरोध के बाद महू विधानसभा सीट पर मंत्री उषा ठाकुर का विरोध शुरू हो गया है। डॉ. अंबेडकर नगर मंडल में बैठक लेने पहुंचे केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल पहुंचे तो होर्डिंग को लेकर पत्रकारों ने सवाल किया, लेकिन वह गोलमोल जबाव देकर हंसते हुए आगे निकल गए।

यह विरोध डॉ. अंबेडकर नगर मंडल में बैठक लेने पहुंचे केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के पहुंचने के पहले जताया गया था। भाजपा में प्रत्याशियों के नाम का ऐलान होने के बाद यह पहला मौका है जब किसी मंत्री का विरोध हो रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रेजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)